

# Rajasthan to Strengthen Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana, PM-ABHIM and TB Elimination in Rajasthan



Rajasthan is set to expand the Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana to provide universal health care to the state's people. Chief Secretary V. Srinivas discussed medical and health schemes at the Secretariat and asked the officials to make coordination with insurance firms better, minimise rejection of claims and provide better treatment facilities for patients. The scheme offers cashless treatment up to ₹25 lakh to almost 1.36 crore families. The meeting also discussed the infrastructure building under PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission, measures to speed up the process of TB elimination, more awareness campaigns and better health services at the ground level.

## Highlights of the Review Meeting

- Chief Secretary went through the major medical and health schemes of Rajasthan.
- Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana will be strengthened to enable universal health coverage.
- 1.36 crore families are availing cashless treatment up to ₹25 lakh.

- Patients can get treatment for diseases ranging from simple illnesses to diseases like transplant.
- Consolidation with insurance companies will be achieved to make treatment more convenient.
- The Chief Secretary congratulated for the implementation of MA Yojana and TB elimination.

## Need to Minimise Rejection under MA Yojana

- The Chief Secretary asked the officers to minimise the claim rejection in government hospitals.
- People are preferring government hospitals for availing benefits under the scheme.
- Any issues related to claims will be sorted out in a timely manner, with co-ordination from insurance companies.
- Periodic meetings will be conducted with insurance companies.
- Good practices of the National Health Authority will be implemented.

## Expansion of MA Yojana

- The Principal Secretary, Medical and Health, Gayatri Rathore said the coverage under MA Yojana has been widened as compared to the previous health insurance scheme.
- More packages and hospitals are covered under the scheme.
- Interstate portability has also been introduced.
- With interstate portability, people of Rajasthan can get treatment in over 30,000 hospitals.
- Good implementation in public medical institutions has given preference to government medical institutions as compared to private medical institutions.

## PM-ABHIM to Strengthen Health Infrastructure

- The Chief Secretary took stock of the progress of PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission.
- He instructed officials to ensure quality and utility of the buildings being built.
- Emphasis will be laid on proper supervision, monitoring and timely completion of the work.
- Wherever needed, infrastructure will be expanded.
- All health institutions will have adequate staff and beds as per norms.
- Mission Director of National Health Mission, Dr. Jogaram, said that new medical institutions approved are being built in time.
- In financial year 2025-26, highest ever 94% of the amount received under PM-ABHIM was utilised.
- Cashless Treatment under MA Yojana in 2025-26

- Rajasthan State Health Assurance Agency CEO Hazarilal Atal said that a total of 19.38 lakh patients availed cashless treatment under MA Yojana in financial year 2025-26.
- A total of ₹3,888 crore was spent on cashless treatment.
- This demonstrates the growing importance of the scheme to provide financial protection to patients.

## TB-Free Rajasthan Campaign

- The Chief Secretary discussed the National Tuberculosis Elimination Programme of the TB-Free India Campaign.
- He commended the department for the efforts being made to eliminate TB.
- Rajasthan will bring down the case fatality rate of TB to 1%.
- Priority will be given to early diagnosis to reduce the deaths.
- The IEC activities will be enhanced to make the TB-Free Rajasthan Campaign a success.
- The Chief Secretary also made enquiry about the arrangement of the nutrition kits.
- Director Public Health, Dr. Ravi Prakash Sharma said that in 2015, 6,547 gram panchayats of Rajasthan were declared TB-free.
- Rajasthan has been awarded at the national level for its efforts.

## Conclusion

Universal health coverage, strengthening public health and disease elimination were the main focus of Rajasthan, highlighted in the review meeting. Improving MA Yojana, reducing the rejection of claims, learning from best practices of National Health Authority, ensuring quality infrastructure (PM-ABHIM) and strengthening efforts to eliminate tuberculosis will enhance access and delivery of services in the state.

## MCOs

1. Which scheme was reviewed for enhancing universal health coverage in Rajasthan?

- A. Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana
- B. PM-KUSUM
- C. Mukhyamantri Jal Swavlamban Abhiyan
- D. Rajasthan Investment Promotion Scheme

Answer: A

Explanation : Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana was examined as a flagship scheme to promote universal health coverage in Rajasthan. This scheme offers cashless treatment of up to ₹25 lakh to almost 1.36 crore families and includes treatment for common illnesses to complex surgeries like transplants.

2. What was the highest expenditure made in Rajasthan under PM-ABHIM in 2025-26?

- A. 74%
- B. 84%
- C. 94%
- D. 100%

Answer: C

Explanation: Rajasthan spent 94% of the received funds under PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission in 2025-26. This was attributed to the timely completion of the new medical institutions approved and strengthening of health infrastructure in the state.

3. In 2025, how many gram panchayats in Rajasthan were declared TB-free?

- A. 3,888
- B. 6,547
- C. 19.38 lakh
- D. 30,000

Answer: B

Explanation : In 2025, 6,547 gram panchayats in Rajasthan were declared TB-free. This was as part of the TB-Free Rajasthan Campaign and the National Tuberculosis Elimination Programme. The state was also awarded a national award for the same.

---

राजस्थान में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना,  
प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत संरचना  
मिशन और क्षय रोग उन्मूलन को सुदृढ़ करना

राजस्थान में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना को और सुदृढ़ किया जाएगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए बीमा कंपनियों के साथ बेहतर समन्वय, दावा अस्वीकृति को न्यूनतम स्तर पर लाने और रोगियों को अधिक सुगम उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस योजना के अंतर्गत लगभग 1.36 करोड़ परिवारों को ₹25 लाख तक नगदरहित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में **प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत संरचना मिशन**, क्षय रोग उन्मूलन, जनजागरूकता गतिविधियों और जमीनी स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विशेष चर्चा हुई।

## समीक्षा बैठक के प्रमुख बिंदु

- मुख्य सचिव ने राजस्थान की प्रमुख चिकित्सा एवं स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की।
- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में और मजबूत किया जाएगा।
- लगभग 1.36 करोड़ परिवारों को ₹25 लाख तक नगदरहित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।
- योजना में सामान्य रोगों से लेकर प्रत्यारोपण जैसी जटिल बीमारियों तक का उपचार शामिल है।
- रोगियों को उपचार में अधिक सुविधा देने के लिए बीमा कंपनियों के साथ बेहतर समन्वय किया जाएगा।
- मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना और क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के क्रियान्वयन की सराहना की।

## मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में दावा अस्वीकृति कम करने पर जोर

- मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सरकारी अस्पतालों में दावा अस्वीकृति को न्यूनतम स्तर पर लाने के निर्देश दिए।
- योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में रोगी सरकारी चिकित्सा संस्थानों को प्राथमिकता दे रहे हैं।
- बीमा कंपनियों के समन्वय से दावा संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा।
- बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी।
- योजना को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाया जाएगा।

## मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का विस्तार

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि पिछली स्वास्थ्य बीमा योजना की तुलना में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा काफी बढ़ाया गया है।
- योजना में अब अधिक उपचार पैकेज और अधिक अस्पतालों का नेटवर्क उपलब्ध है।
- योजना के अंतर्गत अंतरराज्यीय वहनीयता भी प्रारंभ की गई है।
- अंतरराज्यीय वहनीयता के कारण राजस्थान के नागरिक देश के 30,000 से अधिक अस्पतालों में उपचार ले सकते हैं।
- सरकारी चिकित्सा संस्थानों में प्रभावी संचालन के कारण आमजन निजी अस्पतालों की अपेक्षा सरकारी अस्पतालों में उपचार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

## प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत संरचना मिशन से स्वास्थ्य ढांचा होगा मजबूत

- मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत संरचना मिशन की प्रगति की समीक्षा की।
- उन्होंने योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों की गुणवत्ता और उपयोगिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
- निर्माण कार्यों में प्रभावी पर्यवेक्षण, नियमित निगरानी और समयबद्ध पूर्णता पर विशेष जोर दिया जाएगा।
- जहां आवश्यकता होगी, वहां आधारभूत संरचना का विस्तार किया जाएगा।
- सभी स्वास्थ्य संस्थानों में निर्धारित मानकों के अनुसार पर्याप्त स्टाफ और बेड की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि नवस्वीकृत चिकित्सा संस्थानों का कार्य समय पर पूरा किया जा रहा है।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस मिशन के अंतर्गत प्राप्त राशि में से रिकॉर्ड 94% राशि व्यय की गई।

## वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत नगदरहित उपचार

- राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हजारी लाल अटल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 19.38 लाख मरीजों को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत नगदरहित उपचार उपलब्ध कराया गया।
- इस अवधि में ₹3,888 करोड़ का नगदरहित उपचार उपलब्ध कराया गया।
- यह योजना रोगियों को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

## क्षय रोग मुक्त राजस्थान अभियान

- मुख्य सचिव ने क्षय रोग मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा की।
- उन्होंने क्षय रोग उन्मूलन की दिशा में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।
- राज्य का लक्ष्य क्षय रोग से होने वाली मृत्यु दर को 1% तक लाना है।
- मृत्यु दर कम करने के लिए शीघ्र निदान पर विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।
- क्षय रोग मुक्त राजस्थान अभियान को सफल बनाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों को बढ़ाया जाएगा।
- मुख्य सचिव ने अभियान के अंतर्गत वितरित किए जाने वाले पोषण किट की व्यवस्था की भी जानकारी ली।
- जनस्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि वर्ष 2025 में राजस्थान की 6,547 ग्राम पंचायतों को क्षय रोग मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया।
- इस दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान को केंद्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है।

## निष्कर्ष

समीक्षा बैठक में राजस्थान में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, सार्वजनिक स्वास्थ्य आधारभूत संरचना और रोग उन्मूलन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना को सुदृढ़ करना, दावा अस्वीकृति को कम करना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत संरचना मिशन के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करना और क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों को तेज करना राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को मजबूत करने के लिए किस योजना की समीक्षा की गई?

- A. मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना
- B. प्रधानमंत्री कुसुम योजना
- C. मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान
- D. राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना

उत्तर: A

**व्याख्या:** मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना को राजस्थान में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को मजबूत करने वाली प्रमुख योजना के रूप में समीक्षा में शामिल किया गया। इस योजना के अंतर्गत लगभग 1.36 करोड़ परिवारों को ₹25 लाख तक नगदरहित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें सामान्य रोगों से लेकर प्रत्यारोपण जैसी जटिल बीमारियों तक का उपचार शामिल है।

2. वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत संरचना मिशन के अंतर्गत राजस्थान में कितनी राशि व्यय की गई?

- A. 74%
- B. 84%
- C. 94%
- D. 100%

उत्तर: C

**व्याख्या:** वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत संरचना मिशन के अंतर्गत राजस्थान में प्राप्त राशि में से रिकॉर्ड 94% राशि व्यय की गई। यह व्यय नवस्वीकृत चिकित्सा संस्थानों के समयबद्ध निर्माण और राज्य में स्वास्थ्य आधारभूत संरचना को मजबूत करने के प्रयासों से संबंधित है।

3. वर्ष 2025 में राजस्थान की कितनी ग्राम पंचायतों को क्षय रोग मुक्त घोषित किया गया?

- A. 3,888
- B. 6,547
- C. 19.38 लाख
- D. 30,000

उत्तर: B

**व्याख्या:** वर्ष 2025 में राजस्थान की 6,547 ग्राम पंचायतों को क्षय रोग मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया। यह उपलब्धि क्षय रोग मुक्त राजस्थान अभियान और राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़ी है। इस दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान को केंद्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है।

## Rajasthan at forefront of Gyan Bharatam Mission with Survey of more than 15 Lakh Manuscripts



The state of Rajasthan has taken a significant step forward under the Gyan Bharatam Mission initiated by Prime Minister Narendra Modi to conserve the cultural and intellectual heritage of India. Chief Secretary V. Srinivas chaired a meeting of the mission at the Secretariat. The mission is aimed at the survey, conservation, digitisation and promotion of Indian manuscripts. Rajasthan has the country's highest number of verified manuscripts - 15,21,034. The Gyan Bharatam App helps citizens to register manuscripts in their possession, even those of 75 years old.

## Highlights of Gyan Bharatam Mission in Rajasthan

- Rajasthan is a front-runner in the Gyan Bharatam Mission.
- 15,21,034 manuscripts have been verified in the state.
- This is the largest number of manuscripts verified in the country.
- The mission is a survey, preservation, digitisation and promotion of the immense manuscript tradition in the country.
- The Chief Secretary has directed that only a person who knows the script should be made the nodal officer.
- In the case of Sanskrit manuscripts, heads of Sanskrit departments will be appointed as nodal officers.
- The survey will be selective and on significant manuscripts which have shaped Indian History.

## District-wise Manuscript Survey

- Jaipur district (4,91,688 manuscripts) ranks top in Rajasthan.
- Bikaner is the second with 3,39,740 manuscripts.
- Jodhpur is the third with 1,90,847 manuscripts.
- This demonstrates the rich manuscript heritage of Rajasthan and its contribution to India's knowledge system.

## Nodal Agencies and Administration

### Nodal Department

- Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur has been nominated as the nodal department for Rajasthan.

### State Nodal Officer

- The Director of Rajasthan Sanskrit Academy, Jaipur is the State Nodal Officer.

### District-Level Monitoring

- District level survey is being monitored by the nodal officers appointed by the District Collectors.
- The mission is being assisted by several cluster centres and independent centres.
- Survey under Gyan Bharatam Mission
- Teachers of government schools, librarians and university students have been engaged for survey.
- They are conducting door-to-door and institution-to-institution survey for identification of manuscripts.
- Temples, monasteries, private libraries and research institutes are survey sites.

- The survey involves physical confirmation of the manuscripts, their status and location.
- Manuscript owners' rights are being maintained.
- Survey is being done with cultural awareness.

## Importance of the Mission

- The mission will help protect India's intellectual and cultural heritage.
- It will help preserve ancient manuscripts.
- These manuscripts will be digitised and made available on digital media.
- Children of the future will have access to India's heritage of civilisation and knowledge.
- The mission encourages the use of technology in heritage preservation.

## Conclusion

The Gyan Bharatam Mission is a step towards the survey, conservation and digitisation of India's manuscript heritage. Rajasthan's verification of over 15 lakh manuscripts shows its commitment towards preserving India's knowledge heritage. Through rigorous district-wise monitoring, expert surveyors and digital technology, the mission will help invite future generations to explore India's cultural and intellectual heritage.

---

## MCOs

1. What does the Gyan Bharatam Mission aim to achieve?

- A. To encourage sports facilities in villages
- B. To survey, conserve, digitise and popularise Indian manuscripts
- C. To set up industrial units
- D. To develop road networks in heritage cities

Answer: B

Explanation : The Gyan Bharatam Mission is a survey, preservation, digitisation and dissemination project of India's manuscript heritage. Under this mission, more than 15 lakh manuscripts have been verified in Rajasthan, contributing to the preservation of India's rich intellectual and cultural heritage.

2. Which district in Rajasthan has the most verified manuscripts as part of the Gyan Bharatam Mission?

- A. Jodhpur
- B. Bikaner

C. Jaipur

D. Udaipur

Answer: C

Explanation: In Rajasthan, Jaipur district has the largest number of validated manuscripts under the Gyan Bharatam Mission program with 4,91,688 manuscripts. This is followed by Bikaner (3,39,740 manuscripts) and Jodhpur (1,90,847 manuscripts).

3. What is the nodal department of the Gyan Bharatam Mission in Rajasthan?

A. Rajasthan Sanskrit Academy, Jaipur

B. Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

C. Department of Archaeology, Rajasthan

D. Department of Information and Public Relations

Answer: B

Explanation : Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur has been declared as the Nodal department for the Gyan Bharatam Mission in Rajasthan. The Director of the Rajasthan Sanskrit Academy, Jaipur has been made the State Nodal Officer for this mission.

## राजस्थान ने 15 लाख से अधिक पांडुलिपियों के सर्वेक्षण के साथ ज्ञान भारतम अभियान में अग्रणी स्थान प्राप्त किया

भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए **ज्ञान भारतम अभियान** के अंतर्गत राजस्थान ने महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में इस अभियान की बैठक आयोजित की गई। इस अभियान का उद्देश्य भारत की पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, संरक्षण, अंकीकरण और प्रसार करना है। राजस्थान में अब तक **15,21,034 पांडुलिपियों** का सत्यापन किया जा चुका है, जो देश में सर्वाधिक है। ज्ञान भारतम अनुप्रयोग के माध्यम से लोग अपने पास रखी 75 वर्ष पुरानी पांडुलिपि को भी पंजीकृत करवा सकते हैं।

### राजस्थान में ज्ञान भारतम अभियान के प्रमुख बिंदु

- राजस्थान ज्ञान भारतम अभियान में देश का अग्रणी राज्य बना है।
- राज्य में कुल 15,21,034 पांडुलिपियों का सत्यापन किया गया है।
- यह देश में सत्यापित पांडुलिपियों की सर्वाधिक संख्या है।
- अभियान का उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, संरक्षण, अंकीकरण और प्रसार करना है।

- मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जिस व्यक्ति को लिपि की समझ हो, उसी को समन्वय अधिकारी बनाया जाए।
- संस्कृत पांडुलिपियों के लिए संस्कृत विभागों के विभागाध्यक्षों को समन्वय अधिकारी बनाया जाएगा।
- सर्वेक्षण लक्ष्य केंद्रित होगा और भारत के इतिहास को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण पांडुलिपियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

## जिलावार पांडुलिपि सर्वेक्षण

- जयपुर जिला 4,91,688 पांडुलिपियों के साथ राजस्थान में पहले स्थान पर है।
- बीकानेर 3,39,740 पांडुलिपियों के साथ दूसरे स्थान पर है।
- जोधपुर 1,90,847 पांडुलिपियों के साथ तीसरे स्थान पर है।
- ये आंकड़े राजस्थान की समृद्ध पांडुलिपि विरासत और भारतीय ज्ञान परंपरा में उसके योगदान को दर्शाते हैं।

## समन्वय संस्थाएं और प्रशासनिक व्यवस्था

### प्रमुख समन्वय विभाग

- राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर को राजस्थान में इस अभियान का प्रमुख समन्वय विभाग बनाया गया है।

### राज्य समन्वय अधिकारी

- राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के निदेशक को राज्य समन्वय अधिकारी नियुक्त किया गया है।

### जिला स्तरीय निगरानी

- जिलाधिकारियों द्वारा नामित समन्वय अधिकारी जिला स्तर पर सर्वेक्षण की निगरानी कर रहे हैं।
- विभिन्न समूह केंद्र और स्वतंत्र केंद्र इस अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

## ज्ञान भारतम अभियान के अंतर्गत सर्वेक्षण प्रक्रिया

- सरकारी विद्यालयों के शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को सर्वेक्षण प्रगणक के रूप में शामिल किया गया है।
- ये दल घर-घर जाकर और संस्थाओं में जाकर पांडुलिपियों की पहचान कर रहे हैं।
- मंदिरों, मठों, निजी पुस्तकालयों और शोध संस्थानों में भी सर्वेक्षण किया जा रहा है।
- सर्वेक्षण के अंतर्गत पांडुलिपियों की भौतिक पुष्टि, उनकी स्थिति का आकलन और स्थान चिहनांकन किया जा रहा है।
- पांडुलिपि स्वामियों के अधिकारों का पूरा सम्मान किया जा रहा है।
- पूरी प्रक्रिया में सांस्कृतिक संवेदनशीलता का पालन किया जा रहा है।

## अभियान का महत्व

- यह अभियान भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में सहायता करेगा।

- इससे प्राचीन और मूल्यवान पांडुलिपियों को क्षति और उपेक्षा से बचाया जा सकेगा।
- अंकीकरण के माध्यम से इन पांडुलिपियों को आधुनिक अंकीय मंचों पर उपलब्ध कराया जाएगा।
- आने वाली पीढ़ियां भारत की सभ्यता और ज्ञान परंपरा से लाभान्वित हो सकेंगी।
- यह अभियान विरासत संरक्षण में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देता है।

## निष्कर्ष

ज्ञान भारतम अभियान भारत की पांडुलिपि विरासत के सर्वेक्षण, संरक्षण और अंकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राजस्थान में 15 लाख से अधिक पांडुलिपियों का सत्यापन राज्य की भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण में अग्रणी भूमिका को दर्शाता है। जिला स्तरीय निगरानी, प्रशिक्षित सर्वेक्षण दलों और आधुनिक तकनीक के माध्यम से यह अभियान आने वाली पीढ़ियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत से जोड़ेगा।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. ज्ञान भारतम अभियान का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- A. ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देना
- B. भारत की पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, संरक्षण, अंकीकरण और प्रसार करना
- C. औद्योगिक इकाइयों की स्थापना करना
- D. विरासत नगरों में सड़क संपर्क सुधारना

उत्तर: B

**व्याख्या:** ज्ञान भारतम अभियान का उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, संरक्षण, अंकीकरण और प्रसार करना है। राजस्थान में इस अभियान के अंतर्गत 15 लाख से अधिक पांडुलिपियों का सत्यापन किया गया है, जिससे भारतीय बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका स्पष्ट होती है।

2. ज्ञान भारतम अभियान के अंतर्गत राजस्थान में किस जिले में सर्वाधिक सत्यापित पांडुलिपियां हैं?

- A. जोधपुर
- B. बीकानेर
- C. जयपुर
- D. उदयपुर

उत्तर: C

**व्याख्या:** ज्ञान भारतम अभियान के अंतर्गत राजस्थान में जयपुर जिले में सर्वाधिक 4,91,688 सत्यापित पांडुलिपियां हैं। इसके बाद बीकानेर में 3,39,740 और जोधपुर में 1,90,847 पांडुलिपियां सत्यापित की गई हैं। इससे राजस्थान की समृद्ध पांडुलिपि परंपरा और भारतीय ज्ञान विरासत में उसके योगदान का पता चलता है।

3. राजस्थान में ज्ञान भारतम अभियान का प्रमुख समन्वय विभाग किसे बनाया गया है?

- A. राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
- B. राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
- C. राजस्थान पुरातत्व विभाग
- D. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

उत्तर: B

**व्याख्या:** राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर को राजस्थान में ज्ञान भारतम अभियान का प्रमुख समन्वय विभाग बनाया गया है। इसके साथ ही राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के निदेशक को राज्य समन्वय अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह व्यवस्था राज्य में पांडुलिपि सर्वेक्षण, सत्यापन और संरक्षण कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के लिए बनाई गई

## Jaipur Municipal Corporation to Organise "Rang De Gulabi" Campaign on 2 May, Colour 500 Walls in a Day



In an attempt to beautify the city and encourage participation, the Jaipur Municipal Corporation will hold the "Rang De Gulabi" campaign on 2 May. This campaign involves painting 500 walls of the city in a day for the first time in India. The campaign has been designed keeping in mind the Swachh Survekshan and will

make Jaipur a cleaner, greener and more vibrant city. Schools, colleges, NGOs, private sector companies, corporate bodies and people will be participating in the campaign.

## Highlights of the Campaign

- The "Rang De Gulabi" campaign will be held on 2 May.
- Jaipur Municipal Corporation will try and paint 500 walls of the city in a day.
- The campaign has been initiated for Swachh Survekshan.
- It will enhance the visual appearance, beauty and cleanliness of the city.
- It will encourage people to participate in city beautification.
- The campaign was termed as a landmark move for Jaipur by the Municipal Commissioner.

## Purpose of Rang De Gulabi Campaign

### Urban Beautification

- The objective is to create a more beautiful, artistic and innovative Jaipur.
- It will assist in creating a new look for different parts of the city.
- Pink colour as well as other artistic colours will be used on city walls.

### Cleanliness and Civic Awareness

- The campaign is connected with the aim of cleanliness in Swachh Survekshan.
- It is an extension of the "Safai Seva Marathon", which laid the foundation for cleanliness.
- Citizens will be encouraged to contribute towards a clean and beautiful city.

## How to Take Part in the Campaign

- Schools, colleges, NGOs, private institutions, corporate groups and citizens can voluntarily join the campaign.
- Anyone interested in painting can contact numbers 7470651609 and 7878252518.
- The initiative will provide an opportunity for the community to help beautify Jaipur.
- It will also promote partnership between the local administration and citizens.

## Transparency in Implementation

- Before and after photos of all 500 walls will be taken.
- This will be made available to the media as well as the public.
- This will make the process open and transparent.
- The Municipal Corporation has urged the people of Jaipur to come in large numbers.

## Significance for Jaipur

- The campaign will showcase the Pink City identity of Jaipur in a contemporary and innovative manner.
- The campaign will complement efforts of the city towards cleanliness and beautification.
- Colours will help different neighbourhoods to identify themselves.
- It will set an example of citizen participation in beautification.

## Conclusion

The "Rang De Gulabi" campaign is a significant citizen-led initiative that brings together cleanliness, innovation and people's involvement. In its bid to paint 500 walls in a single day, Jaipur Municipal Corporation is trying to beautify the city and improve its readiness for Swachh Survekshan. The campaign highlights the positive impact of public participation on cities.

---

## MCQs

1. When will the "Rang De Gulabi" campaign be held in Jaipur?

- A. 28 April
- B. 30 April
- C. 2 May
- D. 5 May

Answer: C

Explanation : Jaipur Municipal Corporation will organise the "Rang De Gulabi" campaign on 2 May.

2. What is the aim of this Campaign ?

- A. To plant 500 trees
- B. To paint 500 walls in a day
- C. To put up a cultural exhibition
- D. To clean 500 parks

Answer: B

Explanation : The target of the "Rang De Gulabi" campaign is to paint 500 walls of Jaipur city in a single day. This drive has been started to enhance the beauty, cleanliness and aesthetic appeal of the city.

3. Who can volunteer to participate in the "Rang De Gulabi" campaign?

A. Only government employees

B. Only school students

C. Schools, colleges, NGOs, private institutions, corporate groups and individuals

D. Only painters

Answer: C

Explanation : Schools, colleges, NGOs, private institutes, corporate organisations and citizens can voluntarily participate in the campaign. Therefore, the campaign is a case of citizen participation in urban beautification and cleanliness.

## जयपुर नगर निगम 2 मई को "रंग दे गुलाबी" अभियान आयोजित करेगा, जयपुर में एक दिन में 500 दीवारों को रंगने के लिए "रंग दे गुलाबी" अभियान चलेगा

शहर के सौंदर्यीकरण और जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जयपुर नगर निगम 2 मई को "रंग दे गुलाबी" अभियान आयोजित करेगा। इस अभियान के अंतर्गत भारत में पहली बार एक ही दिन में शहर की 500 दीवारों को रंगने का प्रयास किया जाएगा। यह अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और जयपुर को अधिक स्वच्छ, हरित और जीवंत शहर बनाने में सहायता करेगा। इस अभियान में विद्यालय, महाविद्यालय, गैर-सरकारी संगठन, निजी क्षेत्र की संस्थाएं, निगमित समूह और आमजन भाग लेंगे।

### अभियान की प्रमुख विशेषताएं

- "रंग दे गुलाबी" अभियान 2 मई को आयोजित किया जाएगा।
- जयपुर नगर निगम एक ही दिन में शहर की 500 दीवारों को रंगने का प्रयास करेगा।
- यह अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है।
- इससे शहर की सुंदरता, दृश्य आकर्षण और स्वच्छता में सुधार होगा।
- यह अभियान शहर के सौंदर्यीकरण में जनभागीदारी को बढ़ावा देगा।
- नगर निगम आयुक्त ने इस अभियान को जयपुर के लिए ऐतिहासिक पहल बताया।

### रंग दे गुलाबी अभियान का उद्देश्य

#### नगरीय सौंदर्यीकरण

- इसका उद्देश्य जयपुर को अधिक सुंदर, कलात्मक और नवाचारी बनाना है।

- यह शहर के विभिन्न क्षेत्रों को नई पहचान देने में सहायता करेगा।
- शहर की दीवारों पर गुलाबी रंग के साथ अन्य कलात्मक रंगों का भी उपयोग किया जाएगा।

## स्वच्छता और नागरिक जागरूकता

- यह अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण के स्वच्छता लक्ष्य से जुड़ा हुआ है।
- यह “सफाई सेवा मैराथन” का विस्तार है, जिसने स्वच्छता की मजबूत आधारभूमि तैयार की।
- नागरिकों को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

## अभियान में भाग लेने की प्रक्रिया

- विद्यालय, महाविद्यालय, गैर-सरकारी संगठन, निजी संस्थाएं, निगमित समूह और नागरिक स्वच्छता से इस अभियान में भाग ले सकते हैं।
- रंगाई कार्य में रुचि रखने वाले व्यक्ति 7470651609 और 7878252518 पर संपर्क कर सकते हैं।
- यह पहल समुदाय को जयपुर के सौंदर्यीकरण में योगदान देने का अवसर देगी।
- इससे स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के बीच सहयोग भी बढ़ेगा।

## क्रियान्वयन में पारदर्शिता

- सभी 500 दीवारों के रंगाई से पहले और बाद के चित्र लिए जाएंगे।
- इन्हें संचार माध्यमों और आमजन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।
- इससे पूरी प्रक्रिया खुली और पारदर्शी बनेगी।
- नगर निगम ने जयपुरवासियों से बड़ी संख्या में अभियान से जुड़ने की अपील की है।

## जयपुर के लिए महत्व

- यह अभियान जयपुर की गुलाबी नगरी की पहचान को आधुनिक और नवाचारी रूप में प्रस्तुत करेगा।
- यह शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के प्रयासों को मजबूत करेगा।
- विभिन्न रंग अलग-अलग क्षेत्रों को अपनी अलग पहचान देने में सहायता करेंगे।
- यह सौंदर्यीकरण में नागरिक भागीदारी का उदाहरण स्थापित करेगा।

## निष्कर्ष

“रंग दे गुलाबी” अभियान एक महत्वपूर्ण नागरिक भागीदारी आधारित पहल है, जो स्वच्छता, नवाचार और जनसहभागिता को एक साथ जोड़ती है। एक ही दिन में 500 दीवारों को रंगने के प्रयास के माध्यम से जयपुर नगर निगम शहर को सुंदर बनाने और स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। यह अभियान शहरों पर जनभागीदारी के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. जयपुर में "रंग दे गुलाबी" अभियान कब आयोजित किया जाएगा?

- A. 28 अप्रैल
- B. 30 अप्रैल
- C. 2 मई
- D. 5 मई

उत्तर: C

**व्याख्या:** जयपुर नगर निगम 2 मई को "रंग दे गुलाबी" अभियान आयोजित करेगा। इस अभियान का उद्देश्य एक ही दिन में जयपुर शहर की 500 दीवारों को रंगना है।

2. "रंग दे गुलाबी" अभियान का मुख्य लक्ष्य क्या है?

- A. 500 पेड़ लगाना
- B. एक दिन में 500 दीवारों को रंगना
- C. सांस्कृतिक प्रदर्शनी आयोजित करना
- D. 500 उद्यानों की सफाई करना

उत्तर: B

**व्याख्या:** "रंग दे गुलाबी" अभियान का लक्ष्य एक ही दिन में जयपुर शहर की 500 दीवारों को रंगना है। यह अभियान शहर की सुंदरता, स्वच्छता और दृश्य आकर्षण को बढ़ाने के लिए शुरू किया गया है।

3. "रंग दे गुलाबी" अभियान में कौन स्वेच्छा से भाग ले सकता है?

- A. केवल सरकारी कर्मचारी
- B. केवल विद्यालयी विद्यार्थी
- C. विद्यालय, महाविद्यालय, गैर-सरकारी संगठन, निजी संस्थाएं, निगमित समूह और नागरिक
- D. केवल रंगाई करने वाले व्यक्ति

उत्तर: C

**व्याख्या:** इस अभियान में विद्यालय, महाविद्यालय, गैर-सरकारी संगठन, निजी संस्थाएं, निगमित समूह और नागरिक स्वेच्छा से भाग ले सकते हैं। इसलिए यह अभियान नगरीय सौंदर्यीकरण और स्वच्छता में नागरिक भागीदारी का उदाहरण है।

## Rajasthan RDS Officers to Be CEOs of Newly Created Zila Parishads

## RAJASTHAN RDS OFFICERS TO BE CEOS OF NEWLY CREATED ZILA PARISHADS



The Rajasthan Government has sanctioned 88 posts for 8 newly created Zila Parishads, which is a significant step in the Panchayati Raj system. The key change is in the post of Chief Executive Officer (CEO) in the Zila Parishads. Previously, this post was often occupied by IAS/RAS officers on posting. However, the post of CEO is now tied with the Rural Development Service (RDS) cadre, creating a cadre-based higher post. The decision is being viewed as a big "power play" in rural district administration as it may lead to greater involvement of rural development specialists in planning, implementing and monitoring of development programmes.

### Main points of the decision

- Rajasthan Government has sanctioned 88 new posts for 8 new Zila Parishads.
- The decision is from the Rural Development Department.
- The post of the Chief Executive Officer (CEO) has been maintained at Pay Level L-21.
- Now the CEO post has been linked with the Rural Development Service cadre.
- It could help avoid the exclusive use of IAS and RAS officers in CEO positions in Zila Parishads.
- It provides an administrative position to the rural development officers.

### Newly Formed Zila Parishads Covered

The new positions have been established for the Zila Parishads of:

- Didwana-Kuchaman
- Balotra

- Phalodi
- Salumber
- Kotputli-Behror
- Beawar
- Deeg
- Khairthal-Tijara

## Posts Approved in Each Zila Parishad

- There will be one Chief Executive Officer in each Zila Parishad.
- One Additional Chief Executive Officer will also be appointed.
- One Project Accounts Officer post has been approved.
- One Assistant Accounts Officer (Grade-II) post has been approved.
- One Assistant Statistical Officer post has been approved.
- One Personal Assistant post has been approved.
- One Information Assistant post has been approved.
- One Senior Assistant post has been approved.
- Three Junior Assistant posts have been approved in each Zila Parishad.
- Two driver and two assistant staff posts have also been approved in each Zila Parishad.
- The driver and assistant staff posts will be contractual.

## Why the Order is Important for RDS Cadre

- RDS officers will have a better position in the administration of Zila Parishad.
- They will get greater participation in the execution and monitoring of rural development programmes.
- CEO will be appointed on cadre basis.
- This could lead to a specialised administration of rural development.
- It is part of the government's emphasis on specialised officers in Panchayati Raj institutions.

## Administrative Significance

- Zila Parishad plays a significant role in rural development.
- CEO is a very important official in Zila Parishad.
- It may help in better continuity in rural development administration.
- It may improve district level implementation of schemes.
- It is also relevant for RAS exam subjects including Panchayati Raj, district administration and rural development administration and governance.

## Conclusion

The creation of 88 new posts for 8 new Zila Parishads in Rajasthan is a significant development in the state's Panchayati Raj. The tie-up between the CEO post and the

Rural Development Service will enable specialised officers to play a greater role in district administration. This has the potential to enhance implementation, accountability and management of rural development schemes.

---

## MCQs

1. How many posts have been approved for 8 new Zila Parishads in Rajasthan?

- A. 52
- B. 75
- C. 88
- D. 100

Answer: C

Explanation: 88 new positions for 8 new Zila Parishads have been approved by the Rajasthan Government. These include posts of CEO, Additional CEO, Project Accounts Officer, Assistant Accounts Officer, Assistant Statistical Officer, Personal Assistant, Information Assistant, Senior Assistant, Junior Assistants, drivers and assistant staff.

2. Which cadre is associated with the Chief Executive Officer posts of the new Zila Parishads?

- A. Police Service cadre
- B. Rural Development Service cadre
- C. Forest Service cadre
- D. Medical Service cadre

Answer: B

Explanation : The CEO post in the new Zila Parishads has been linked with the Rural Development Service cadre. Previously, this post was mostly occupied by IAS or RAS officers under posting. The recent order shifts the appointment towards cadre-based.

3. One of the new Zila Parishads for which new posts have been approved is?

- A. Ajmer
- B. Udaipur
- C. Didwana-Kuchaman

D. Kota

Answer: C

Explanation: Didwana-Kuchaman is one of the 8 new Zila Parishads for which new positions are being approved. Others are Balotra, Phalodi, Salumber, Kotputli-Behror, Beawar, Deeg and Khairthal-Tijara.

## नवगठित जिला परिषदों में ग्रामीण विकास सेवा अधिकारी बनेंगे मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजस्थान सरकार ने 8 नवगठित जिला परिषदों के लिए 88 पदों को स्वीकृति दी है, जो पंचायती राज व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है। सबसे बड़ा बदलाव जिला परिषदों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से जुड़ा है। पहले यह पद प्रायः भारतीय प्रशासनिक सेवा या राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को पदस्थापन के आधार पर दिया जाता था। अब मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद को ग्रामीण विकास सेवा संवर्ग से जोड़ा गया है, जिससे यह संवर्ग आधारित उच्च पद बन गया है। यह निर्णय ग्रामीण जिला प्रशासन में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि इससे ग्रामीण विकास विशेषज्ञ अधिकारियों की योजना निर्माण, क्रियान्वयन और निगरानी में भागीदारी बढ़ सकती है।

### निर्णय के मुख्य बिंदु

- राजस्थान सरकार ने 8 नवगठित जिला परिषदों के लिए 88 नए पद स्वीकृत किए हैं।
- यह निर्णय ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित है।
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद वेतन स्तर एल-21 पर रखा गया है।
- अब मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद को ग्रामीण विकास सेवा संवर्ग से जोड़ा गया है।
- इससे जिला परिषदों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी पदों पर केवल भारतीय प्रशासनिक सेवा और राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों पर निर्भरता कम हो सकती है।
- यह निर्णय ग्रामीण विकास अधिकारियों को मजबूत प्रशासनिक भूमिका प्रदान करता है।

### जिन नवगठित जिला परिषदों के लिए पद स्वीकृत हुए

- डीडवाना-कुचामन
- बालोतरा
- फलौदी
- सलूंबर
- कोटपूतली-बहरोड़
- ब्यावर
- डीग
- खैरथल-तिजारा

## प्रत्येक जिला परिषद में स्वीकृत पद

- प्रत्येक जिला परिषद में एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होगा।
- एक अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा।
- एक परियोजना लेखा अधिकारी पद स्वीकृत किया गया है।
- एक सहायक लेखा अधिकारी ग्रेड-द्वितीय पद स्वीकृत किया गया है।
- एक सहायक सांख्यिकी अधिकारी पद स्वीकृत किया गया है।
- एक निजी सहायक पद स्वीकृत किया गया है।
- एक सूचना सहायक पद स्वीकृत किया गया है।
- एक वरिष्ठ सहायक पद स्वीकृत किया गया है।
- प्रत्येक जिला परिषद में तीन कनिष्ठ सहायक पद स्वीकृत किए गए हैं।
- प्रत्येक जिला परिषद में दो चालक और दो सहायक कर्मचारी पद भी स्वीकृत किए गए हैं।
- चालक और सहायक कर्मचारी पद संविदा आधारित होंगे।

## ग्रामीण विकास सेवा संवर्ग के लिए आदेश का महत्व

- ग्रामीण विकास सेवा अधिकारियों को जिला परिषद प्रशासन में बेहतर स्थान मिलेगा।
- ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी में उनकी भागीदारी बढ़ेगी।
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति संवर्ग आधारित व्यवस्था की ओर बढ़ेगी।
- इससे ग्रामीण विकास प्रशासन में विशेषज्ञता आधारित कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिल सकता है।
- यह पंचायती राज संस्थाओं में विषय-विशेषज्ञ अधिकारियों की भूमिका बढ़ाने की दिशा में सरकार के जोर को दिखाता है।

## प्रशासनिक महत्व

- जिला परिषद ग्रामीण विकास और शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद के संचालन में अत्यंत महत्वपूर्ण पद होता है।
- यह निर्णय ग्रामीण विकास प्रशासन में निरंतरता को बेहतर बना सकता है।
- इससे जिला स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार हो सकता है।
- यह विषय राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए पंचायती राज, जिला प्रशासन और ग्रामीण विकास प्रशासन से जुड़ा महत्वपूर्ण बिंदु है।

## निष्कर्ष

राजस्थान में 8 नवगठित जिला परिषदों के लिए 88 नए पदों की स्वीकृति पंचायती राज प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद को ग्रामीण विकास

सेवा संवर्ग से जोड़ने से विशेषज्ञ अधिकारियों को जिला स्तरीय विकास प्रशासन में बड़ी भूमिका मिलेगी। इससे ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रशासनिक जवाबदेही और प्रबंधन में सुधार की संभावना है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान में 8 नवगठित जिला परिषदों के लिए कितने नए पद स्वीकृत किए गए हैं?

- A. 52
- B. 75
- C. 88
- D. 100

उत्तर: C

**व्याख्या:** राजस्थान सरकार ने 8 नवगठित जिला परिषदों के लिए 88 नए पद स्वीकृत किए हैं। इनमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, परियोजना लेखा अधिकारी, सहायक लेखा अधिकारी, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, निजी सहायक, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक, चालक और सहायक कर्मचारी जैसे पद शामिल हैं।

2. नवगठित जिला परिषदों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद को किस संवर्ग से जोड़ा गया है?

- A. पुलिस सेवा संवर्ग
- B. ग्रामीण विकास सेवा संवर्ग
- C. वन सेवा संवर्ग
- D. चिकित्सा सेवा संवर्ग

उत्तर: B

**व्याख्या:** नवगठित जिला परिषदों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद को ग्रामीण विकास सेवा संवर्ग से जोड़ा गया है। पहले यह पद प्रायः भारतीय प्रशासनिक सेवा या राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को पदस्थापन के आधार पर दिया जाता था। नए आदेश से यह नियुक्ति संवर्ग आधारित व्यवस्था की ओर बढ़ती है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सी एक नवगठित जिला परिषद है, जिसके लिए नए पद स्वीकृत किए गए हैं?

- A. अजमेर
- B. उदयपुर
- C. डीडवाना-कुचामन
- D. कोटा

उत्तर: C

**व्याख्या:** डीडवाना-कुचामन उन 8 नवगठित जिला परिषदों में शामिल हैं, जिनके लिए नए पद स्वीकृत किए गए हैं। अन्य जिला परिषदों में बालोतरा, फलौदी, सलूंबर, कोटपूतली-बहरोड़, ब्यावर, डीग और खैरथल-तिजारा शामिल हैं।

RASonly